DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

Circular / Acad Sec./ UG /NEP Curri./ Affiliated Colleges / 2024.

It is hereby inform to all concerned that, in continuation of the Circular Ref. No./ SU/ UG/ Affi. Colleges/ NEP Curri/ 2023/ 18731-40 Date: 20.10.2023 on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities; **the Academic Council at it's Meeting held on 08th April, 2024 has accepted the "*following Subject wise revised Curriculum at UG Level* as per National Education Policy-2020"** run at all concerned affiliated colleges under the Faculty of Humanities.

Sr. No.	UG/PG Course Curriculum Name	Semester
01.	B.A., B.Com., B.Sc. etc. **First Year Hons with Research [Marathi]**	Ist & IInd
02.	B.A./ B.Com/ B.Sc./BFA/BSW etc. **First Year Hons with Research [Hindi]**	Ist & IInd
03.	B. A./B.Com/ B.Sc./BFA/BSW etc. **First Year Hons with Research [English]**	Ist & IInd
04.	B.A., B.Com., B.Sc. etc. **First Year Hons with Research [Urdu]**	Ist & IInd
05.	B.A./ B.Com/ B.Sc. etc. **First Year Hons with Research [Sanskrit]**	Ist & IInd
06.	B.A./ B.Com/ B.Sc. etc. **First Year Hons with Research [Pali & Buddhism]**	Ist & IInd
07.	B.A./ B.Com/ B.Sc. etc. **First Year Hons with Research [Arabic]**	Ist & IInd
08.	B. A. **First Year Hons and Hons with Research [Political Science]**	Ist & IInd
09.	B. A. **First Year Hons with Research [Sociology]**	Ist & IInd
10.	B. A. **First Year Hons with Research [Economics]**	Ist & IInd
11.	B. A. **First Year Hons with Research [Public Administration]**	Ist & IInd
12.	B. A. **First Year Hons with Research [History]**	Ist & IInd
13.	B. A. First Year **Hons with Research [Psychology]**	Ist & IInd
14.	B. A. First Year **Hons with Research [Geography]**	Ist & IInd

15.	B. A. **First Year Hons with Research [Thoughts of Mahatma Phule and Dr. Babasaheb Ambedkar]**	**Ist & IInd**
16.	B.A. **First Year Hons with Research [Military Science]**	**Ist & IInd**
17.	B.A. **First Year Hons with Research [Islamic Studies]**	**Ist & IInd**
18.	B.A. **First Year Hons with Research [Philosophy]**	**Ist & IInd**
19.	B.A., B.Com., B.Sc. etc. (Common for all faculty) **First Year CC (Co-curricular Courses) [NCC]**	**Ist**

This is effective from the Academic Year 2024-25 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,][
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.][
Ref. No. SU/ UG/ Affi.Colleges/][
REV. NEP Curri/ 2024/ 25737-46][
][
****

Date: 21.05.2024.

Deputy Registrar,
Academic.

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Principal, all affiliated colleges,** Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.
2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Sec. Officer, [Concerned Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*210524/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

3 Years B. A./ B.Com. / B.Sc.,

4 Year B. A./ B.Com. / B.Sc. (Hons) &

4 Year B. A./ B.Com. / B.Sc. (Hons with Research) Programme

Course Structure

AS PER NEP-2020

Subject: Hindi

(Effective from 2024-25)

प्रो. [illegible] पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

Illustrative credit distribution Structure for B.A. /B.Com./ B. Sc. (Three / Four Years Honours / Honours with Research) Degree Programme with Multiple Entry and Exit Options

B.A./B.Com./B.Sc. First Year (1st Semester)

Sr. No.	Course Type	First Semester		Total Credits
		Course Code	Credits	
1	**Major** 1 (**Core) M1** Mandatory	DSC-1 हिंदी कथा साहित्य	2T+2P=4	12
	Major 2 (**Core) M2** Mandatory	DSC-2	4	
	Major 3 (**Core) M3** Mandatory	DSC-3	4	
2	**Major Electives** (Choose any one from pool of courses)	---	---	---
3	**Minor** (Choose any one from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	---	---	---
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	GE/OE-1 हिंदी सिनेमा और साहित्य	2	2
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	-----	---	2
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	SEC-1 संभाषण कौशल	1T+1P=2	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	AEC-1 (English)	2	4
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	------	---	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	IKS-1	2	
10	**OJT** (On Job Training)	-----	---	2
11	**FP** (Field Project)	-----	---	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	----	---	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	CC-1 (Health and Wellness)	2	
14	**RM** (Research Methodology) Course	----	---	
15	**RP** (Research Project)	------	---	
				22

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

भूमिका :

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर द्वारा गठित हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राप्त संरचना के आधार पर हिंदी के पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की है। हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम की संरचना प्रस्तुत करते हुए अध्ययन मंडल प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। इस पाठ्यक्रम की संरचना ऐसी की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन करनेवाले छात्रों में भावनात्मक और संवेदनात्मक गुणों का विकास होगा। साथ वे छात्र जीवन मूल्यों से जुड़कर अपने नैतिक और चारित्रिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम होंगे और वे अपने जीवन में चिंतन, विश्लेषण और मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न संदर्भों को जान सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा और साहित्य के साथ-साथ प्रादेशिक साहित्य, प्रवासी साहित्य, सिनेमा, लोक साहित्य, ग़ज़ल, रष्ट्रभक्ति, पर्यावरण, विज्ञान, अनुवाद, कंप्यूटर प्रोद्योगिकी, फीचर लेखन, ब्लॉग लेखन, शोर्ट फिल्म निर्माण कला, संभाषण कौशल, व्यावसायिक तथा प्रबंधन कौशल आदि रोज़गारक्षम विषयों को भी सम्मिलित किया गया है।

वर्तमान समय सूचना एवं तकनीकी का युग है। छात्रों को भाषा और साहित्य के साथ इससे जोड़कर रखना भी समय की आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम रोज़गारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा, जिससे इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी उचित ढंग से कर सकेंगे । भारत बहुभाषा भाषी देश हैं। हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं से किसी न किसी रूप में जुडी रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए अन्य भाषाओं की साहित्य परंपरा एवं साहित्यिक विधाओं को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है। निर्धारित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकते हैं बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकते हैं।

अत: हम विश्वास के साथ कह सकते है कि यह पाठ्यक्रम विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों की योग्यता का उन्नयन करने में सहायक हो सकेगा । साथ ही साथ सामाजिक जटिलताओं को साहित्य के माध्यम से समझाने में भी निर्धारक के रूप में काम करेगा।

धन्यवाद ..

प्रो. अपर्णा हिम्मतराव पाटील
अध्यक्ष,हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,
छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययनोपरांत 03/04 वर्ष की स्नातक उपाधि प्राप्ति के बाद छात्रों में निम्नलिखित योग्यता प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम परिणाम (Programme Specific Outcome)

- मानवीय भावना और संवेदना को संवर्धित और संरक्षित किया जा सकेगा।
- सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय चेतना की प्रबलता दिखाई देगी।
- छात्रों में अभिव्यक्ति कौशल और साहित्य के संस्कारों का बीजारोपण होगा।
- छात्रों में व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और नेतृत्व के गुण परिलक्षित होंगे।
- पाठ्यक्रम से समरसता और विश्व शांति के लिए सामाजिक समर्थन बढ़ेगा।
- छात्रों में परिवेश की समझ और मंचीय कला का प्रभाव देखा जा सकेगा।
- छात्र रोजगार की अनेक संभावनाएँ की तलाश करने में सक्षम बनेंगे।
- छात्रों में अकादमिक और सांस्कृतिक जागरूकता की वृद्धि होगी।
- हिंदी की टंकण व्यवस्था और साहित्य सृजन का कौशल सीख पाएंगे।
- साहित्य की सभी विधाओं से छात्र भली-भाँति परिचित हो पाएंगे।
- पर्यावरण और विज्ञान के संबंध में ज्ञान बढ़ाने से संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
- छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्माण होगा।
- विभिन्न प्रतियोगितात्मक परीक्षा संबंधी बुनियादी ज्ञान प्राप्त होगा।
- छात्र चिंतन,विवेचन और मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न संदर्भों को जान सकेंगे।
- साहित्य और सिनेमा के माध्यम से छात्र विभिन्न सामाजिक विषय, समस्या एवं जटिलताओं को प्रभावी रूप से समझेंगे।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - I (हिंदी)

हिंदी कथा साहित्य (DSC 1)

श्रेयांक - 4 तासिका 60

(सैधांतिक- 30 तासिका, क्रियात्मक गतिविधि - 30 तासिका)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- हिंदी कहानी साहित्य परंपरा से परिचय कराना ।
- साहित्य, संवेदना का विकास कराना ।
- विविध साहित्यिक विमर्शों से छात्रों को अवगत कराना ।
- छात्रों में भावनात्मक एवं चारित्रिक गुणों को विकसित कराना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्रों को हिंदी कहानी विधा का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा ।
- निर्धारित पाठ्यक्रम के पठन से छात्रों में भावनात्मक और संवेदनात्मक गुणों का निर्माण होगा ।
- पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में लेखन और सम्यक दृष्टी का विवेक उत्पन्न होगा ।
- पाठ्यक्रम मे अन्तर्निहित जीवन मूल्यों से जुड़कर छात्र अपने नैतिक और चारित्रिक गुणों का विकास करने में सक्षम होंगे ।
- छात्रों में कथा लेखन की क्षमता निर्माण होगी ।

शिक्षण पद्धति

- व्याख्यान विश्लेषण /दृक्-श्राव्य माध्यम का उपयोग/समूह चर्चा

इकाई	पाठ्यांश	तासिकाएँ
इकाई -1	**हिंदी कहानी :स्वरुप तथा विकास** **कहानी : संवेदना और शिल्प** 1. ईदगाह -प्रेमचंद 2. दिल्ली में एक मौत -कमलेश्वर 3. चीफ की दावत - भीष्म साहनी 4. पार्टीशन - स्वयं प्रकाश	15

इकाई -2	5. फैसला - मैत्रेयी पुष्पा 6. फुलवा - रत्नकुमार साम्भरिया 7. ब्लैकहोल - संजीव 8. कौन तार से बीनी चदरिया - अंजना वर्मा 9. नदी गायब है - एस.आर.हरनोट	15
इकाई -3	**क्रियात्मक गतिविधि:(Practical Work)** इस पाठ्यक्रम में व्यावहारिक कार्य का उद्देश्य छात्रों को कहानी विधा के लेखन पक्ष का परिचय देकर उनमें कथा लेखन की रुचि को उत्पन्न करना है । इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में विविध गतिविधियों का आयोजन करें। अध्यापक द्वारा छात्रों को कहानी के लेखन पक्ष को विस्तृत रूप से सौदाहरण समझाएँ। • कहानी की परिभाषा,साहित्य में कहानी लेखन का स्थान, कहानी के तत्व, कहानी की संरचना (आरंभ,मध्य,अंत),कहानी के प्रकार,कहानी लेखन के उद्देश्य, कहानी लेखन की विशेषताएँ,कहानी लेखन की परंपरा। • कथा लेखन की प्रक्रिया और रचना प्रक्रिया के मनोवैज्ञानिक आधार। • कहानी वाचन एवं अस्वादन तथा कहानी समीक्षा के स्वरुप का समझाएँ। • कक्षा में प्रत्येक छात्र द्वारा कहानी का मुखर वाचन एवं कथा कथन का अभ्यास करवाएँ। • छात्रों से विविध विषय सूत्र देकर कहानी के तत्व एवं संरचना के आधार पर लघु कथा लेखन के लिए प्रोत्साहित करें। • प्रत्येक छात्र एवं तीन से पाँच छात्रों के समूह बनाकर विषय सूत्र के अनुसार कहानी लेखन का अभ्यास करवाएँ और आकर्षक कहानी तैयार करने के लिए उचित दिशानिर्देश दें। • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ की उपस्थिति में नवलेखक कार्यशाला का आयोजन करें।	15

इकाई -4	**छात्र मूल्यांकन** सत्रांत पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। 1. तीन स्व सृजित लघु कथा का लेखन कार्य (व्यक्तिगत एवं सामूहिक) 2. तीन कहानियों का कथा कथन (व्यक्तिगत गतिविधि) 3. तीन कहानियों की समीक्षा (व्यक्तिगत गतिविधि) निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त तीन में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।	15

पाठ्य पुस्तक : कथा नवरंग

संपादक - हिंदी अध्ययन मंडल,डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर।

संदर्भ ग्रंथ

1. कथा विवेचन और गद्य शिल्प -डॉ.रामविलास शर्मा,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. हिंदी कहानी:अंतरंग पहचान -रामदरश मिश्र,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
3. समकालीन कहानी:नया परिप्रेक्ष्य-पुष्पपाल सिंह,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
4. हिंदी कहानी:अंतर्वस्तु का शिल्प, राहुल सिंह,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - I (हिंदी)

हिंदी सिनेमा और साहित्य (Generic / OE - 1)

श्रेयांक - 2 **तासिका -30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : (Objective)

- हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंत:संबंध से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को सिनेमा की विषयवस्तु एवं तकनीकी पक्ष से परिचित कराना।
- साहित्य और सिनेमा में निहित जीवनोपयोगी उपदेश देने की क्षमता का विकास करना।
- सिनेमा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय समाज के यथार्थ से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी सिनेमा,अपने समाज की परिस्थितियों को सरलता से समझेंगे।
- विद्यार्थियों में साहित्य और सिनेमा को देखने का आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- विद्यार्थियों में भावात्मक रूप से अधिक संवेदनशीलता का भाव निर्माण होने में मदत मिलेगी
- विद्यार्थियों को व्यक्तिगत जीवन में नैराश्य को छोड़कर यश प्राप्ति के लिए प्रेरणा मिलेगी ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति।
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल,प्रोजेक्टर)।
- फिल्म विशेषज्ञों से साक्षात्कार एवं व्याख्यान।
- छात्रसंवाद /गोष्ठी-/समूह चर्चा।
- ICT तकनीक का उपयोग।
- स्वाध्याय।

इकाई	पाठयाश	तासिकाएं
इकाई-1	• सिनेमा: अर्थ, परिभाषा और स्वरुप (अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम) • सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया **निर्मिती प्रक्रियापूर्व चरण**-निर्माण योजना,कथा चयन,पटकथा	15

	संवाद लेखन,गीत-संगीत इत्यादि **निर्मिती चरण**- निर्देशक,सिनेमैटोग्राफी,कलाकार तथा,ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था,छायांकन (शूटिंग) इत्यादि। **निर्माणोत्तर चरण** -संपादन, गीत-संगीत ध्वनि रेकोर्डिंग, डबिंग, सेंसोर, सिनेमा का वितरण और प्रदर्शन इत्यादि। • सिनेमा के प्रकार (फीचर फ़िल्म/कथा चित्र, डॉक्यूमेंट्री फिल्म/वृतचित्र, कार्टून फ़िल्म/एनीमेशन, एडवर्टाइजमेंट फिल्म/विज्ञापन चित्र, न्यूज़ रील / समाचार चित्र • हिंदी सिनेमा: उद्‌भव और विकास (संक्षिप्त इतिहास) • भारत में सिनेमा का आरंभ (मूक सिनेमा,सवाक सिनेमा) • समानान्तर सिनेमा • डिजिटल दौर में हिंदी सिनेमा:ओटीटी प्लेटफार्म • साहित्य और सिनेमा: अंतर्संबंध • साहित्य कृतियों का फिल्मांकन • हिंदी साहित्यकारों का सिनेमा में योगदान	
इकाई- 2	<u>फिल्म समीक्षा</u> • मोहनदास (मज़हर कामरान द्‌वारा निर्देशित) • तीसरी कसम (बासु भट्‌टाचार्य द्‌वारा निर्देशित) • हिंदी मीडियम (साकेत चौधरी द्‌वारा निर्देशित) • 12th फेल (विधु विनोद चोपड़ा द्‌वारा निर्देशित)	15

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिंदी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा,अनन्य प्रकाशन,
2 सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3 हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, डॉ रमा, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली
4 हिंदी सिनेमा का इतिहासमनमोहन चढ्‌ढा,, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल
5 सिनेमा और साहित्य,हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली
6 हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन, दिल्ली
7 साहित्य और सिनेमा,संपादक- डॉ.भारद्‌वाज, चिंतन प्रकाशन,कानपुर
8 सिनेमा और फिल्मान्तरित हिंदी साहित्य, डॉगोकुल क्षीरसागर., विकास प्रकाशन कानपुर
9 भारतीय सिनेमा एक अनंत यात्रा प्रसून सिन्हा-, नटराज प्रकाशन दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - I (हिंदी)

संभाषण कला (Skill Enhancement course)

श्रेयांक - 2 **तासिका** -30

(सैधांतिक- 15 तासिका, क्रियात्मक गतिविधि - 15 तासिका)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- छात्र के व्यक्तित्व विकास हेतु आवश्यक वार्तालाप तथा संवाद, व्याख्यान, वाद-विवाद का ज्ञान देना।
- एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, हिंदी भाषा ज्ञान और मानक उच्चारण आदि कौशल को सिखाना।
- भाषण,वाद-विवाद,मंच संचालन,मंचीय कविता आदि के बारे में छात्रों को जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र संभाषण के महत्व को समझेंगे ।
- छात्र वार्तालाप, भाषण, वाद विवाद, एकालाप, परिचर्चा जैसे संभाषण के विविध आयाम समझेंगे।
- भाषण, वाद-विवाद, मंच संचालन, मंचीय कविता आदि के बारे में छात्रों को जानकारी मिलेगी ।
- छात्रों को संभाषण के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
- भविष्य में विद्यार्थी इसके सहारे विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप में कुशल वक्ता, सूत्र संचालक, कवि बनेंगे ।

शिक्षण पद्धति :

- प्रत्यक्ष व्याख्यान देने के अतिरिक्त मुख्य रूप से मिश्रित ज्ञानार्जन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसमें परियोजना आधारित ज्ञानार्जन, प्रदर्शन, समूह परिचर्चा, विभिन्न स्थल एवं प्रसंग के अनुरूप वार्तालाप का अभ्यास इत्यादि करवाया जाए। अभ्यास हेतु दृक-श्रव्य माध्यमों का उपयोग किया जाए।

इकाई	पाठ्यांश	तासिकाएं
इकाई- 1	• **संभाषण : अर्थ एवं विभिन्न रूप** संभाषण : अर्थ और स्वरुप • **वार्तालाप या संवाद** : (संवाद स्वरुप और प्रकार, संवाद की संरचना, संवाद की औपचारिकताएँ, संवाद की प्रक्रिया,संवाद की भाषा शैली) • **व्याख्यान या भाषण** : (भाषण कला क्या है, भाषण कौशल के गुण, औपचारिक भाषण, प्रेरक भाषण, सूचनात्मक भाषण, मनोरंजक भाषण), दर्शनात्मक भाषण, तत्काल भाषण, बिदाई भाषण) • **वादविवाद** : (वाद-विवाद का अर्थ और स्वरूप, वाद-विवाद का महत्व, वाद-विवाद का विधि, प्रभावी वाद विवाद के लिए आवश्यक बिंदु) • **मंच संचालन (एंकरिंग):** स्क्रिप्ट,आत्मविश्वास, भाषा, आवाज, शरीर भाषा, प्रासंगिकता इत्यादि महत्वपूर्ण गुण • **मंचीय कविता वाचन:** प्रारूप और महतवपूर्ण इकाईयां • संभाषण कला के प्रमुख उपादान -भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि(वाल्यूम) वेग, लहजा (एक्सेंट)	15
इकाई- 2	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Work)** • छात्रों को संभाषण के विविध आयामों का परिचय देकर उन्हें विभिन्न प्रसंगानुकूल संभाषण कौशल का अभ्यास करवाया जाए। • कक्षा में छात्रों के समूह बनाकर संवाद,वार्तालाप,परिचर्चा,वाद-विवाद जैसे उपक्रमों का आयोजन किया जाए। • छात्रों को विविध विषय देकर मंच पर जाकर छोटे भाषण करने का अभ्यास करवाकर उनके आत्मविश्वास को बढाया जाए। • छात्र को भाषण, एंकरिंग विधाओं का अभ्यास कराने से पहले विविध विषयों पर स्क्रिप्ट लिखवाई जाए। • स्क्रिप्ट के आधार पर भाषण एवं कविता वाचन का अभ्यास करवाया जाए। • संभाषण कला से सम्बंधित सभी विधाओं पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रत्येक छात्र को उसमें सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया जाए।	15

	• संभाषण कला से सम्बंधित विविध प्रेरक वीडियो छात्रों को दिखा कर उन्हें प्रेरित किया जाए। **छात्र मूल्यांकन** सत्रांत पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। 1. विभाग,महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में छात्र द्वारा विविध विषय एवं प्रसंग पर कम से कम दो भाषण एवं व्याख्यानों का प्रस्तुतीकरण (प्रत्येक भाषण 7 मिनट) 2. विभाग,महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में कोई भी दो अलग अलग प्रासंगिक विषयों पर वाद-विवाद की गतिविधि में छात्र का सक्रिय सहभाग। (प्रत्येक वाद-विवाद 7 मिनट) 3. विभाग एवं महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का पूर्ण नियोजन एवं मंच संचालन का कार्य (दो छात्र) सफल आयोजन के उपरांत दोनों छात्रों को समान अंक दिए जाए। 4. विभाग एवं महाविद्यालय एवं अन्य आयोजित कार्यक्रम में छात्र द्वारा कविताओं का काव्य पाठ करना। (कम से कम तीन काव्य पाठ) निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।	

संदर्भ ग्रंथ :

1. आदर्श भाषा कला -यज्ञदत्त शर्मा,आत्माराम एण्ड सन्स,दिल्ली
2. भाषण कला, महेश शर्मा ,प्रभात प्रकाशन (Amazon पर उपलब्ध)
3. वाद-विवाद और संभाषण -श्रद्धा पांडे,प्रभात प्रकाशन (Amazon पर उपलब्ध)
4. वाद-विवाद -अनीता गौड़,वी.एण्ड एस पब्लिशर्स (Amazon पर उपलब्ध)
5. भारतीय प्रसारण :विविध आयाम -मधुकर गंगाधर (Amazon पर उपलब्ध)
6. https://www.egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/14225/1/Unit-15.pdf
7. उत्कृष्ठ संचालन-सारंग टाकळकर,साकेत प्रकाशन
8. बने एंकरिंग के शाईनिंग स्टार-तंजीम खान, (Amazon पर उपलब्ध)
9. एंकरिंग का सुपरस्टार -अमित जैन मौलिक -ई-बुक
10. https://youtu.be/O5mggBue54M?si=mZftAnKc4aDDLn6J

(अपर्णा पाटील)

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

B.A./B.Com./B.Sc. First Year (2nd Semester)

Sr. No.	Course Type	Second Semester		Total Credits
		Course Code	Credits	
1	**Major 1 (Core) M1** Mandatory	DSC-4 हिंदी नाट्य साहित्य	2T+2P=4	12
	Major 2 (Core) M2 Mandatory	DSC-5	4	
	Major 3 (Core) M3 Mandatory	DSC-6	4	
2	**Major Electives** (Choose any one from pool of courses)	---	---	---
3	**Minor** (Choose any one from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	---	---	---
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	GE/OE-2 हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा	2	2
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	VSC-1 रचनात्मक लेखन कौशल	1T+1P=2	2
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	------	-----	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	AEC-2 व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल	**2**	4
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	VEC-1 (Constitution of India)	2	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	---	---	
10	**OJT** (On Job Training)	---	---	2
11	**FP** (Field Project)	---	---	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	---	---	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	CC-2 (Yoga education / Sports & Fitness)	2	
14	**RM** (Research Methodology) Course			
15	**RP** (Research Project)			
				22

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र-II (हिंदी)

हिंदी नाट्य साहित्य (DSC- 4)

श्रेयांक - 4 **तासिका -60**

(सैधांतिक- 30 तासिका, क्रियात्मक गतिविधि - 30 तासिका)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- हिंदी नाटक विधा से छात्रों को अवगत कराना ।
- रंगमच और अभिनय कला से छात्रों को अवगत कराना ।
- देशकाल और परिवेश से परिचित कराना ।
- मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों एवं विभिन्न मानसिक अवस्थाओं से छात्रों को परिचित कराना ।
- मानवता के भाव को प्रस्थापित करना ।
- छात्रों में राजनीतिक जागरूकता निर्माण करना ।
- छात्रों में भावनात्मक एवं चारित्रिक गुणों को विकसित करना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्रों को हिंदी नाटक विधा का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा ।
- नाटक से छात्रों को भावनाओं, संचार कौशल, और रचनात्मक अभिव्यक्ति का निर्माण होगा।
- नाट्य विधा के अध्ययन से छात्रों में लेखन और सम्यक दृष्टि का विवेक उत्पन्न होगा।
- नाटक की गतिविधियों से छात्रों के बोलने,सुनने, और समझने के कौशल में भी सुधार होगा ।
- छात्रों में नाट्य लेखन की क्षमता निर्माण होगी।
- निर्धारित नाटकों के पठन से छात्रों में नाटक एवं रंगमच के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी ।

शिक्षण पद्धति :

- व्याख्यान विश्लेषण
- दृक्-श्राव्य माध्यम का उपयोग
- समूह चर्चा
- दृशाभिनय-चरित्राभिनय

इकाई	पाठ्यांश	तासिकाएं
इकाई- 1	• **नाटक: स्वरुप और शिल्प** • **हिंदी नाटक : उद्भव तथा विकास** • शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य • एक था गधा में निहित व्यंग्य • एक था गधा (व्यंग्य नाटक) • नाटक का रंगशिल्प • नाट्यवस्तु, चरित्र, संवाद, नेपथ्य, नाट्य शैली	15
इकाई- 2	• अंधों का हाथी में निहित व्यंग्य • अंधों का हाथी (व्यंग्य नाटक) • नाटक का रंगशिल्प • नाट्यवस्तु, चरित्र, संवाद, नेपथ्य, नाट्य शैली	15
इकाई- 3	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Work)** इस पाठ्यक्रम में क्रियात्मक कार्य का उद्देश्य छात्रों को नाट्य विधा के लेखन एवं मंचन का परिचय देकर उनमें नाट्य लेखन और अभिनय की रुचि को उत्पन्न करना है । इस दृष्टि से अध्यापक छात्रों के लिए अपनी कक्षा में निम्नलिखित विविध गतिविधियों का आयोजन करें। • नाटक क्या है? नाटक के लाभ और महत्व, साहित्य में नाटक का स्थान, नाटक के तत्व, नाटक की संरचना, नाटक के प्रकार, नाटक का उद्देश्य, नाटक की विशेषताएँ, नाटक लेखन की परंपरा। • नाट्य लेखन की प्रक्रिया और रचना प्रक्रिया, नाट्य साहित्य, रंगमंच का परिचय, नैपथ्य, मंच सज्जा, वेशभूषा एवं रंगभूषा, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, अभिनय, रंगशाला, नाट्य निर्देशन का विस्तृत परिचय । • छात्रों के समूह बनाकर विविध प्रसंगानुरूप एवं छात्रों की रूचि को ध्यान में रखते हुए विषय देकर संवाद लिखने और अभिनय करने का अभ्यास करवाएँ। अध्यापक स्वयं क्रिया कलापों में सहभागी हो। • छात्रों को अलग अलग भूमिका करना (नक़ल करना) सिखाएँ	15

	जिसमें शारीरिक हरकतें, मुख मुद्रा, विविध भावभंगिमा के माध्यम से भावाभिव्यक्ति करने का अभ्यास करवाएँ, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने में मदद होगी। • अध्यापक छात्रों को हिंदी कथा पर बने विविध नाटकों का परिचय दें। • नाटक वाचन एवं अस्वादन था नाटक समीक्षा के स्वरुप को समझाएँ। • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय नाट्यलेखक एवं अभिनेता तथा विशेषज्ञ की उपस्थिति में नाट्य शिबिर का आयोजन करें।	
इकाई- 4	**छात्र मूल्यांकन** सत्रांत पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए । 1. नाट्य प्रस्तुति /नाट्य मंचन को प्रत्यक्ष देखकर तत्वों के आधार पर नाट्य समीक्षा करना। (व्यक्तिगत गतिविधि) 2. ऐतिहासिक एवं समसामयिक प्रासंगिक किसी भी विषय पर प्रहसन का लघु नाट्य लेखन एवं मंचन कर सकते हैं। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाएँ। (न्यूनतम अवधि 5 मिनट) (सामूहिक गतिविधि) 3. हिंदी की किसी भी कहानी एवं कविता का नाट्य रूपांतरण अथवा मंचन करना। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाएँ। (न्यूनतम अवधि 5 मिनट) (व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधि) 4. किसी नाट्यांश / नाट्य प्रसंग / नाट्य चरित्र को आधार बनाकर एकल नाट्य प्रस्तुति करना। प्रत्यक्ष प्रस्तुति अथवा मोबाईल द्वारा वीडियो क्लिप बनाएँ।(न्यूनतम अवधि 5 मिनट) 5. (व्यक्तिगत गतिविधि) निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त चार में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।	15

पाठ्य पुस्तक : दो व्यंग्य नाटक - शरद जोशी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक : उद्भव एवम विकास, डॉ. दशरथ ओझा ,राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. समकालीन नाट्य विवेचन, डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
3. भारतीय नाटक और रंगमंच -जगदीश चतुर्वेदी,केद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - II (हिंदी)

हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा (Generic/OE - 2)

श्रेयांक - 2 **तासिका** -30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- राष्ट्रीय काव्यधारा की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना।
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास की पहचान कराना।
- भारतीय साहित्यकारों के राष्ट्रीय योगदान का अध्ययन कराना।
- राष्ट्रीय स्वाभिमान और देश प्रेम को जागृत कराना।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- छात्र स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास को समझेंगे।
- छात्र स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य के योगदान को समझेंगे।
- छात्रों में राष्ट्रीय एकता का भाव निर्माण होगा।
- छात्रों में देशभक्ति और देश के प्रति स्वाभिमान का भाव निर्माण होगा।

शिक्षण पद्धति :

- व्याख्यान पध्दति
- दृक-श्राव्य माध्यमों का प्रयोग (टेलीविजन, यूट्यूब, मोबाईल)
- साहित्यकारों / भारतीय स्वाधीनता सेनानियों से साक्षात्कार
- छात्र संगोष्ठी / संवाद
- स्वाध्याय

इकाई	पाठ्यांश	तासिकाएं
इकाई-1	**राष्ट्रीय काव्यधारा : स्वरुप और विकास** • राष्ट्रीय काव्यधारा का अर्थ एवं परिभाषा • राष्ट्रीय काव्यधारा की विशेषताएं • हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का विकासात्मक परिचय • भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और राष्ट्रीय काव्यधारा का संबंध	15

	1. रामप्रसाद बिस्मिल 2. गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' 3. मैथिलीशरण गुप्त 4. बालकृष्ण शर्मा नवीन	सर फरोशी की तमन्ना वह हृदय नहीं है पत्थर है हम कौन थे, क्या हो गये हैं विप्लव गान	
इकाई-2	5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 6. सुमित्रानंदन पंत 7. सुभद्राकुमारी चौहान 8. सोहन लाल द्विवेदी 9. रामधारी सिंह दिनकर 10.अटल बिहारी वाजपेयी 11.सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 12.बालकवि बैरागी	जागो फिर एक बार भारत माता जलियांवाला बाग़ में बसंत बढ़े चलो, बढ़े चलो सिंहासन खाली करो स्वतंत्रता दिवस की पुकार देश कागज पर बना नक्शा नहीं सारा देश हमारा	15

पाठ्य पुस्तकें - हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा संपादक - हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. राष्ट्रीय काव्यधारा, संपा. डॉ. कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय काव्यधारा, डॉ. अभयकुमार खैरनार, कुमुद प्रकाशन,जलगाँव
3. हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं सामाजिक संगठन, अमरनाथ दुबे, लोकहित प्रकाशन,लखनऊ
4. आधुनिक हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा, प्रोफे. नरेश मिश्र, इंडियन बुक्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना, डॉ माधुरी पांडे, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना, जगदीश चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय,आगरा
7. आधुनिक काव्य में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. पायल लिल्हारे, नव जागरण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना, डॉ. स्नेहलता शर्मा, प्रकाशन अन्नपूर्णा, कानपुर
9. दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का निरूपण, डॉ. देवायत सोलंकी, शान्ति प्रकाशन मेरठ

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - II (हिंदी)

रचनात्मक लेखन कौशल (Vocational skill course)

श्रेयांक - 2 **तासिका** -30

(सैधांतिक- 15 तासिका, क्रियात्मक गतिविधि - 15 तासिका)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- रचनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचय कराना ।
- छात्रों में रचना तथा भाषा कौशल का विकास कराना ।
- छात्रों में सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास कराना ।
- भाव तथा विचारों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कराना ।

पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तथा प्रायोगिक कार्य के पश्चात् छात्रों में सृजनामक चिंतन, लेखन, भावाभिव्यक्ति और प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा।
- छात्रों में अपने परिवेश तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा ।

शिक्षण पद्धति

व्याख्यान /विश्लेषण/समूह चर्चा/ साक्षात्कार/ दृक्-श्राव्य माध्यम/ प्रायोगिक कार्य

इकाई	पाठ्यांश	तासिकाएं
इकाई-1	• सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र और महत्व • सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियम • रचना प्रकिया का स्वरूप • विषयवस्तु का निर्धारण • सृजनात्मक लेखन के विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र • सृजनात्मक लेखन के सिद्धांत • **रचनात्मक लेखन कौशल का विकास**	15

	साहित्य लेखन • **कविता लेखन** (कविता का स्वरुप,कविता के तत्व,कविता लेखन की पद्धति,काव्य भाषासौष्ठव) • **कथा लेखन** (कहानी लेखन का स्वरुप,कहानी के तत्व,कहानी लेखन की प्रक्रिया कहानी लेखन की रूपरेखा) **सूचना तंत्र के लिए लेखन :-** • **यात्रा वृतांत** -यात्रा वृतांत का स्वरुप, यात्रा वृतांत लेखन का महत्व, यात्रा वृतांत के मुख्य तत्व, यात्रा -वृतांत लेखन की विभिन्न शैलियाँ यात्रा वृतांत लेखन की रचना प्रक्रिया • **महिलाओं के लिए लेखन** (महिलाओं के लिए लेखन का स्वरुप,लेखन के विषय- करियर, स्वास्थ्य, सौन्दर्य, नारी आधिकार, पाक कला, व्यक्तिगत समस्या आदि)	
इकाई-2	**क्रियात्मक गतिविधि: (Practical Work)** • अध्यापक पाठ्य विषय के अध्ययन-अध्यापन के साथ छात्रों की रुचि के अनुरूप पाठ्यक्रम में समाविष्ट विधा (कथा,कविता,निबंध.नाटक,यात्रा वृतांत,प्रासंगिक विषय आदि) पर लेखन कार्य संपन्न करवाएँ । • छात्रों को विविध विधाओं के अंगों के परिचय देकर लेखन प्रक्रिया को समझाएँ । • छात्रों से विधानुरूप विविध विषयसूत्र देकर काव्य अथवा कथा लिखने का अभ्यास करवाएँ। • अध्यापक द्वारा छात्रों को अपने क्षेत्र विशेष के साहित्यकार एवं विशेषज्ञ व्यक्ति के साक्षात्कार लेकर लेखन की प्रक्रिया को समझाएँ। • अध्यापक द्वारा छात्रों से महिला स्वास्थ्य, योग, करियर,रोजगार,स्वालंबन,सौंदर्य,भोजन के विविध व्यंजनों की विधि पर लेखन कार्य अथवा वीडियो तैयार करवाएँ। • अध्यापक द्वारा छात्रों को सृजनात्मक लेखन एवं महिला लेखन विषयक प्रमुख ब्लॉग का परिचय देकर ब्लॉग पर लिखे विविध कंटेंट को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करें और उनसे लेखन का अभ्यास करवाएँ। • अध्यापक द्वारा छात्रों को ब्लॉग निर्माण की तकनीक को समझाकर उन्हें	15

	अपने लेखन के प्रकाशन के लिए स्वयं का ब्लॉग तैयार करने के लिए मार्गदर्शन करें। • महाविद्यालयीन स्तर पर स्थानीय साहित्यकार एवं विशेषज्ञ की उपस्थिति में नवलेखक कार्यशाला का आयोजन करें। **छात्र मूल्यांकन** सत्रांत में पठित पाठ्यक्रम एवं अभ्यास के आधार पर विविध गतिविधियों के माध्यम से छात्र का अंतर्गत मूल्यांकन कर विशेषज्ञ परीक्षक के द्वारा अंक दिए जाए। 1. छात्र द्वारा कम से कम तीन स्व-सृजीत कविता का लेखन कार्य। 2. तीन स्व-सृजीत लघु कथा का लेखन। 3. तीन कथाओं का कथा कथन। 4. छात्रों ने स्वंय की हुई तीन यात्राओं का वृतान्त का लेखन। 5. महिला विषयक लेखन से संदर्भित कम से कम तीन लेखों का लेखन कार्य। निर्धारित आवश्यक श्रेयांक प्राप्त करने के लिए छात्र को उपर्युक्त पाँच में से किसी भी एक गतिविधि में सहभागी होकर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है।	

संदर्भ सामग्री

1. रचनात्मक लेखन-संपादक रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. सृजनात्मक लेखन -हरीश अरोरा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कथा पटकथा-मनु भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कविता रचना प्रक्रिया- कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

समसत्र - II (हिंदी)

व्यक्तित्व विकासं और जीवन कौशल (AEC1)

(Personality Development and Life Skills)

श्रेयांक - 2 तासिका -30

(सैधांतिक- 30 तासिका)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective)

- शारीरिक,मानसिक और भावनात्मक पहलू के संदर्भ में छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए एक दृष्टिकोण सुनिशिचित कराना।
- छात्रों को आपने सामर्थ्य,कमजोरियां,चुनौतिया और अवसर का परिचय कराना।
- मांगों और चुनौतियों के अनुसार क्षमता विकसित कराना।
- छात्रों को उन्हें अपने जीवन लक्ष्य को निर्धारित करने में सहायता कराना।
- छात्र को स्वयं की खोज और आत्मजागरूकता कराना।
- छात्रों में निर्णय क्षमता का विकास कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning Outcomes)

- विभिन्न जीवन कौशल को आत्मसात कर छात्र अपने जीवन को सरल एवं सहज बना सकते है।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों में सकारात्मक व्यवहार की वे योग्यताएँ निर्माण करेगा जिससे छात्र को दैनिक जीवन की माँगों और चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए सक्षम बनाती हैं ।
- छात्रों में रोजगार कौशल निर्माण में सहायक होगा।

अध्यापन पद्धति : व्याख्यान/ विश्लेषण/ समूह चर्चा/ सेमिनार/ दृक्-श्राव्य माध्यम/ प्रायोगिक कार्य

पाठ्यक्रम का खण्डनुरूप विभाजन

खण्ड	पाठयाश	तासिकाएं
	व्यक्तित्व विकास : ▪ व्यक्तित्व :अवधारणा ▪ व्यक्तित्व :अर्थ और परिभाषा	

खण्ड-1	▪ व्यक्तित्व के प्रकार ▪ व्यक्तित्व के अंग ▪ व्यक्तित्व की विशेषताएं ▪ व्यक्तित्व के निर्धारित तत्व ▪ व्यक्तित्व के गुण ▪ व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया ▪ व्यक्तित्व विकास का महत्व ▪ व्यक्तित्व विकास में शिक्षा का महत्त्व • व्यक्तित्व विकास कैसे करें	15
खण्ड-2	**जीवन कौशल** ▪ जीवन कौशल का अर्थ ▪ जीवन कौशल शिक्षा के उद्देश्य ▪ जीवन कौशल शिक्षा की आवश्यकता और महत्व ▪ आवश्यक जीवन कौशल **स्वाट (SWOT)विश्लेषण -अर्थ, महत्व और सीमाएं, उद्देश्य, लाभ, प्रक्रिया** • ताकत (Strength) • कमजोरी (Weakness) • अवसर (Opportunities) • खतरे (Threats) • लक्ष्य निर्धारित कैसे करें(Goal Setting) • आत्म अन्वेषण (Self- discovery) • आत्म जागरूकता (self Awareness) • निर्णयन (Decision- Making)	15

अध्यापन सम्बन्धी कुछ आवश्यक निर्देश :

- छात्रों द्वारा उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक (ताकत) और नकारात्मक (कमजोरी) पहलूओं की प्रमाणिकता से सूचि बनाने के लिए कहे. इन पहलुओं को छात्र आत्मचिंतन द्वारा विश्लेषित कर अध्यापक के साथ साझा करें।
- अध्यापक छात्रों को उनके कौशल,डर,रूचि,जीवन की अपेक्षा,मूल्य एवं आत्मविश्वास के स्तर को विश्लेषित करने के लिए प्रेरित करें।
- छात्रों को आत्म जागरूकता का अर्थ समझाकर जीवन में उसके महत्व को विश्लेषित करें. इस गतिविधि को प्रभावी बनाने के लिए लिखीत प्रश्नावली तथा फीडबैक फॉर्म के प्रारूप का भी उपयोग किया जा सकता है।
- छात्र अपनी क्षमता को जानकर लक्ष्य निर्धारण कैसे करें इसकी युक्तियों से परिचित करवाने के लिए महापुरुषों, यशस्वी हस्तियों के उदहारण देकर इस गतिविधि सम्बन्धी वीडियो दिखाएँ जाएँ।

संदर्भ सामग्री :-

1. व्यक्तित्व का विकास स्वेट मार्डेन, आनंद पेपर बैक्स, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली
   डिजिटल स्त्रोत- https://rb.gy/j7klg
2. संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास –डॉ.पुनीत बिसारिया, प्रभात प्रकाशन
   डिजिटल स्त्रोत-https://amzn.eu/d/8MJyDGI
3. शिष्टाचार और व्यक्तित्व विकास-अरुण सागर 'आनंद ',वी.एण्ड एस पब्लिशर्स
4. डिजिटल स्त्रोत-https://www.exoticindiaart.com/book/details/manners-and-personality-development-personality-development-course-uay250/
5. व्यक्तित्व विकास और निखार-डॉ.एम.ए.बेग,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,भोपाल.
   डिजिटल स्त्रोत - https://shorturl.at/asAZ6
6. डिजिटल स्त्रोत-व्यक्तित्व विकास-यूट्यूब वीडियो https://youtu.be/Q4mogc_rdw8
   स्वाट विश्लेषण-यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत https://youtu.be/c4YdI4xgSyk
7. व्यक्तित्व विकास : व्यक्तित्व का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
   यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत-https://youtu.be/ah5gnYy44xw
8. अति प्रभावकारी लोगों की 7 आदतें- स्टीफन आर कवी (Stephen R Covey)
   Self awareness-How to to Discover YourSelf (Hindi)
   यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत- https://youtu.be/E1UiprxHt2Y
9. आत्मजागरूकता क्या है- यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत- https://youtu.be/qoCAeLySbq4
10. आत्मजागरूकता - यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत https://rb.gy/yfmj1
11. SWOT- डिजिटल वेब सामग्री स्त्रोत- https://rb.gy/iou6i
12. सजगता क्या है- डिजिटल वेब सामग्री -https://rb.gy/jmp8s
13. लक्ष्य निर्धारण और प्राप्ति –डॉ.जीतेन्द्र अढया https://rb.gy/z1n52
14. लक्ष्य –डिजिटल वेब सामग्री https://rb.gy/0z25w
15. GOALS (हिंदी संस्करण) प्रभात प्रकाशन https://rb.gy/j23iv
16. निर्णय और समस्या समाधान –मनीष रंजन - https://rb.gy/i6m4k
17. निर्णयन और समस्या समाधान-राजेश सेटी https://amzn.eu/d/6oY8U1I
18. Decision making-निर्णय लेना-यूट्यूबवीडियो डिजिटल स्त्रोत https://youtu.be/i5HDEBcn9PU

https://sarkariguider.in

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

B.A./B.Com./B.Sc. Second Year (3rd Semester)

Sr. No.	Course Type	Third Semester		Total Credits
		Course Code	Credits	
1	**Major (Core)** Mandatory (Student will be choosing one subject as a major out of 3 major subjects and one subject as a minor)	DSC-7 **मध्यकालीन हिंदी कविता**	4	8
		DSC-8 **निबंध तथा अन्य विधा**	4	
2	**Major Electives** (Choose any one from pool of courses)	---	---	---
3	**Minor** (Choose any two from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	**M-1 हिंदी फ़िल्मी गीत अध्ययन**	2	4
		M-2 साहित्य विविधा	2	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	GE/OE-3 **हिंदी व्यंग्य साहित्य**	2	2
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	VSC-2 **अनुवाद स्वरुप और प्रक्रिया**	2	2
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	-----	---	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	AEC-3 **व्यावसायिक कौशल**	2	4
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	VEC-2 Environmental Studies	2	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	-----	---	
10	**OJT** (On Job Training)	------	---	2
11	**FP** (Field Project)	-------	----	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	----	---	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	CC-3	2	
14	**RM** (Research Methodology) Course	----	---	
15	**RP** (Research Project)	------	---	
				22

B.A./B.Com./B.Sc. Second Year (4th Semester)

Sr. No.	Course Type	Fourth Semester		Total Credits
		Course Code	**Credits**	
1	**Major (Core)** Mandatory (Student will be choosing one subject as a major out of 3 major subjects and one subject as a minor)	DSC-9 आधुनिक हिंदी कविता	4	8
		DSC-10 आत्मकथा तथा जीवनी साहित्य	4	
2	**Major Electives** (Choose any one from pool of courses)	---	---	---
3	**Minor** (Choose any two from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	M-3 हिंदी की मंचीय कविता	2	4
		M-4 अनुदित कथा साहित्य	2	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	GE/OE-4 हिंदी ग़ज़ल साहित्य	2	2
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	----	----	2
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	SEC-2 फीचर लेखन	2	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	AEC-4 प्रबंधन कौशल	2	2
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	-----	---	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	---	---	
10	**OJT** (On Job Training)	---	---	4
11	**FP** (Field Project)	---	---	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	FP-1	2	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	CC-4	2	
14	**RM** (Research Methodology) Course			

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

B.A./B.Com./B.Sc. Third Year (5th Semester)

Sr. No.	Course Type	Fifth Semester		Total Credits
		Course Code	Credits	
1	**Major (Core)** Mandatory	DSC-11 हिंदी साहित्य का इतिहास आदि तथा मध्य काल	4	8
		DSC-12 हिंदी भाषा और लिपि	4	
2	**Major Electives** (Choose any two from pool of courses)	DSE-1 भारतीय काव्यशास्त्र 1	2	4
		DSE-2 महिला संत काव्य	2	
3	**Minor** (Choose any two from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	M-5 भाषा शिक्षण	2	4
		M-6 हिंदी लघुकथा	2	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	----	----	----
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	VSC-3 हिंदी लघु फिल्म निर्माण	2	4
		VSC-4 मशीनी अनुवाद	2	
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	------	----	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	-----	----	---
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	-----	----	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	------	----	
10	**OJT** (On Job Training)	------	----	2 (FP-2 / CEP-2)
11	**FP** (Field Project)	FP-2	2	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	CEP-2	2	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	-----	----	
14	**RM** (Research Methodology) Course	-----	----	
15	**RP** (Research Project)	-------	----	
				22

B.A./B.Com./B.Sc. Third Year (6th Semester)

Sr. No.	Course Type	Sixth Semester		Total Credits
		Course Code	Credits	
1	**Major (Core)** Mandatory	DSC-13 हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल	4	10
		DSC-14 प्रयोजनमूलक हिंदी	4	
		DSC-15 हिंदी नुक्कड़ नाटक	2	
2	**Major Electives** (Choose any two from pool of courses)	DSE-3 भारतीय काव्यशास्त्र 2	2	4
		DSE-4 मराठवाड़ा क्षेत्र की संत परंपरा	2	
3	**Minor** (Choose any two from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	M-7 हिंदी सिनेमा और सामाजिक सरोकार	2	4
		M-8 हिंदी साहित्य और विज्ञान	2	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	----	---	---
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	----	----	---
		----	---	
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	---	---	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	----	---	---
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	------	---	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	---	---	
10	**OJT** (On Job Training)	OJT-1	4	4
11	**FP** (Field Project)	---	---	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	----	----	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	----	---	
14	**RM** (Research Methodology) Course	----	----	
15	**RP** (Research Project)	----	----	
				22

B.A./B.Com./B.Sc. Fourth Year : UG Honours Degree (7th Semester)

Sr. No.	Course Type	Seventh Semester		Total Credits
		Course Code	**Credits**	
1	**Major (Core)** Mandatory	**DSC-16 भाषा विज्ञान**	4	14
		DSC-17 प्रादेशिक भाषा साहित्य	4	
		DSC-18 प्रवासी साहित्य	4	
		DSC-19 अनुवाद विज्ञान	2	
2	**Major Electives** (Choose any two from pool of courses)	DSE-5 **हिंदी पत्रकारिता**	2	4
		DSE-6 **लोक साहित्य**	2	
3	**Minor** (Choose any one from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	----	--	-
		----	-	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	---	---	---
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	----	----	----
		------	------	
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	------	---	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	-----	---	---
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	-----	---	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	------	---	
10	**OJT** (On Job Training)	------	---	4
11	**FP** (Field Project)	-----	-	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	-----	-	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	-----	---	
14	**RM** (Research Methodology) Course	RM-1 हिंदी अनुसन्धान प्रविधि	4	
15	**RP** (Research Project)	------	---	
				22

B.A./B.Com./B.Sc. Fourth Year : UG Honours Degree (8th Semester)

Sr. No.	Course Type	Eighth Semester		Total Credits
		Course Code	**Credits**	
1	**Major (Core)** Mandatory	DSC-20 भारतीय साहित्य	4	14
		DSC-21 तुलनात्मक साहित्य	4	
		DSC-22 आलोचना सिद्धांत और परंपरा	4	
		DSC-23 हिंदी आत्मकथा साहित्य	2	
2	**Major Electives** (Choose any two from pool of courses)	DSE-7 राजभाषा प्रशिक्षण	2	4
		DSE-8 अस्मितामूलक विमर्श	2	
3	**Minor** (Choose any one from pool of courses) **It is from different discipline of the same faculty**	---	-	---
		--	-	
4	**GE/OE** (Generic / Open Elective) (Choose any one from pool of courses) **It should be chosen compulsorily from the faculty other than that of Major**	----	---	---
5	**VSC** (Vocational Skill Courses) (Choose any one from pool of courses)	----	----	---
		----	---	
6	**SEC** (Skill Enhancement Courses) (Choose any one from pool of courses)	---	---	
7	**AEC** (Ability Enhancement Courses) **(Common for all faculty)**	-----	---	---
8	**VEC** (Value Education Courses) **(Common for all faculty)**	------	---	
9	**IKS** (Indian Knowledge System) Courses **(Common for all faculty)**	---	---	
10	**OJT** (On Job Training)	OJT-2	4	4
11	**FP** (Field Project)	---	---	
12	**CEP** (Community Engagement Project) **(Common for all faculty)**	----	----	
13	**CC** (Co-curricular Courses) **(Common for all faculty)**	----	---	
14	**RM** (Research Methodology) Course	----	----	
15	**RP** (Research Project)	----	----	
				22

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.